भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3586

21 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

डीआरडीओ वैज्ञानिक

3586. **श्रीमती संजना जाटव:**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह तथ्य है कि रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक उन्नत देशों द्वारा अपनाई जा रही प्रक्रियाओं के साथ-साथ उत्पादों पर नजर रखते हैं और संगठन को दुनिया भर में अनुसंधान और विकास में सबसे मजबूत बनाने के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकियों का विकास करते हैं;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा प्रस्तावित पहलों का ब्यौरा क्या है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डीआरडीओ उभरते तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बनाए रखने और बदलते समय के अनुरूप नए उत्पादों की योजना बनाने के लिए आगे बढ़ रहा है; तथा

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संजय सेठ)

(क) जी, हां। डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के पास अपने अनुसंधान रोडमैप हैं जो विश्व भर में अपनायी जाने वाली प्रौद्योगिकियों और रक्षा उत्पादों के साथ तालमेल रखने के लिए बनाए जाते हैं। इसके अलावा, डीआरडीओ दुनियाभर में विकसित नई प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों की वैश्विक समीक्षा का द्वि-मासिक दस्तावेज तैयार करता है। वैश्विक स्कैन विभिन्न आधिकारिक ढांचों का उपयोग करके किया जाता है और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से सार्वजनिक डोमेन में प्रौद्योगिकी विकास की भी निगरानी की जाती है। डीआरडीओ अपने वैज्ञानिकों को रक्षा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय डेटाबेस तक ऑनलाइन पहुंच भी प्रदान करता है।

(ख) और (ग) डीआरडीओ का उद्देश्य प्रौद्योगिकियों के स्वदेशीकरण के लिए अकादमिक संस्थानों से लेकर उद्योगों तक में अनुसंधान के फलदायी रूपांतरण के लिए शिक्षाविदों, उद्योग और डीआरडीओ के बीच स्टार्टअप्स/एमएसएमई/उद्योगों की सक्रिय भागीदारी के साथ तालमेल बनाना है। इस विजन के साथ, डीआरडीओ ने सहयोगात्मक निर्देशित अनुसंधान के लिए डीआरडीओ उद्योग अकादमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डीआईए-सीओई) का एक नेटवर्क स्थापित किया है जो रक्षा और सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए सामरिक एवं भावी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में मदद करेगा। देश भर में विभिन्न आईआईटी, आईआईएससी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 15 डीआईए-सीओई स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक डीआईए-सीओई पहचाने गए 84 अनुसंधान कार्यक्षेत्रों में चिह्नित किए गए भविष्य के अनुसंधान क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। डीआईए-सीओई के माध्यम से परियोजनाओं के लिए शिक्षाविदों के साथ उद्योग जुड़ाव के लिए एसओपी को भी सक्रिय किया गया है।

टीडीएफ योजना के तहत नई गहन तकनीक और अत्याधुनिक नीतियों का अनुमोदन भी शुरू किया गया है ताकि डीआरडीओ प्रतिष्ठानों को उभरती प्रौद्योगिकियों के सहयोगात्मक विकास की दिशा में निजी क्षेत्रों की पहचान करने और शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, निजी संस्थाओं को विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए अनुदान के माध्यम से निधिकरण किया जाता है।

*****